बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -07- 01-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज लोकोक्तियाँ के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे

लोकोक्तियाँ

लोक अर्थात् सामान्य जन द्वारा कही गई उक्ति लोकोक्ति कहलाती है। लोकोक्ति का शाब्दिक अर्थ है-लोक प्रसिद्ध उक्ति या कथन। इसे 'कहावत' भी कहते हैं। ये स्वतंत्र वाक्य होते हैं।

1. अक्ल बड़ी या भैंस (काम बुद्धि से होता है, ताकत से नहीं) - एक पहलवान इस समस्या को हल नहीं कर सका, परंतु उस कमज़ोर व्यक्ति ने कितनी आसानी से हल कर दिया।
2. अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत (समय गुज़रने पर पछताना व्यर्थ है) - रेखा फेल होने पर बहुत पछताई कि यदि मेहनत कर लेती तो अवश्य पास हो जाती। पर अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत ।
3. अंधों में काना राजा (मूर्खा में थोड़ा ज्ञानी) - पूरे गाँव में मदन ही थोड़ा पढ़ा लिखा है, बस वही अंधों में काना राजा है।
4. आँख का अंधा नाम नयन सुख (अर्थ के विपरीत नाम) - उसका नाम तो है भोला लेकिन वह बड़े-बड़ों का कान काटता है। इसलिए कहा गया है - आँख का अंधा नाम नयन सुख।
5. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे (स्वयं अपराध करके दूसरों पर दोष मढ़ना) - मेरी किताब गंदी करने पर राम मुझे ही डाँटने लगा। मैंने, कहा उलटा चोर कोतवाल को डाँटे।
6. ऊँची दुकान फीका पकवान (ऊपरी दिखावा) - शो केस में रजत की दुकान में बड़े सुंदर सामान लगे हुए हैं, मगर अंदर सभी डुप्लीकेट माल भरा है। है न ऊँची दुकान फीका पकवान वाली बात।।
7. अंत भला तो सब भला (जिस काम का परिणाम अच्छा हो, वही ठीक है।) - मेरी नौकरी तो छोटी-सी थी, अब तरक्की हो जाने पर सब ठीक हो गया, क्योंकि कहावत भी है कि अंत भला तो सब भला।।

8. साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे (आसानी से काम हो जाना) - ठेके और जमींदार के झगड़े में पंच को ऐसा फैसला सुनाना चाहिए कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।
9. एक पंथ दो काज (एक काम से दोहरा लाभ) - मुझे दफ्तर के काम से लखनऊ जाना है, वहाँ भाई साहब से भी मिलता जाऊँगा। एक पंथ दो काज हो जाएँगे